कल्याण सिंह (5 जनवरी 1932 – 21 अगस्त 2021) भारतीय राजनीतिज्ञ थे वो राजस्थान और हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल रहे। इससे पहले वो उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री भी रहे। वो दो बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे। विवादित बाबरी मस्जिद विध्वंस होने के समय उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री कल्याण सिंह जी थे उत्तर प्रदेश के लोग कल्याण सिंह जी को प्यार से बाबूजी पुकारते थे और उन्हें 26 अगस्त 2014 को राजस्थान का राज्यपाल नियुक्त किया गया। उन्हें प्रखर राष्ट्रवादी राजनेता के रूप में जाना जाता था।

जीवन परिचय

कल्याण सिंह का जन्म 6 जनवरी 1932 को उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में हुआ था। उनके पिता का नाम श्री तेजपाल लोधी राजपूत और माता का नाम श्रीमती सीता देवी था! कल्याण सिंह के 2 बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और कई बार अतरौली के विधानसभा सदश्य के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं, और साथ ही रूप में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। पहली बार कल्याण सिंह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री वर्ष 1991 में बने और दूसरी बार यह वर्ष 1997 में मुख्यमंत्री बने थे। ये प्रदेश के प्रमुख राजनैतिक चेहरों में एक इसलिए माने जाते हैं, क्यूंकि इनके पहले मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान ही बाबरी मस्जिद की घटना घटी थी।मृत्यु 21 अगस्त 2021

राजनीतिक जीवन

पहली बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री

वो जून १९९१ में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने। बाबरी मस्जिद विध्वंस के बाद उन्होंने इसकी नैतिक जिम्मेदारी लेते हुये ६ दिसम्बर १९९२ को मुख्यमंत्री पद से त्यागपत्र दे दिया।

बाबरी मस्जिद विध्वंश के बाद

वो १९९३ के उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव में अत्रौली और कासगंज से विधायक निर्वाचित हुये। चुनावों में भाजपा सबसे बड़े दल के रूप में उभरा लेकिन मुलायम सिंह यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी-बहुजन समाज पार्टी ने गठबन्धन सरकार बनायी। विधान सभा में कल्याण सिंह विपक्ष के नेता बने थे।

वो सितम्बर १९९७ से नवम्बर १९९९ तक पुनः उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने।[4]

२१ अक्टूबर १९९७ को बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने कल्याण सिंह सरकार से समर्थन वापस ले लिया। कल्याण सिंह पहले से ही कांग्रेस विधायक नरेश अग्रवाल के सम्पर्क में थे और उन्होंने तुरन्त शीघ्रता से नयी पार्टी लोकतांत्रिक कांग्रेस का घटन किया और २१ विधायकों का समर्थन दिलाया। इसके लिए उन्होंने नरेश अग्रवाल को ऊर्जा विभाग का कार्यभार सौंपा।

दिसम्बर १९९९ में कल्याण सिंह ने पार्टी छोड़ दी और जनवरी २००४ में पुनः भाजपा से जुड़े। २००४ के आम चुनावों में उन्होंने बुलन्दशहर से भाजपा के उम्मीदवार के रूप में लोकसभा चुनाव लड़ा। २००९ में उन्होंने पुनः भाजपा को छोड़ दिया और एटा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से निर्दलीय सांसद चुने गये।

राज्यपाल

सिंह ने ४ सितम्बर २०१४ को राजस्थान के राज्यपाल पद की शपथ ली। उन्हें जनवरी २०१५ में हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया।

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और राजस्थान के राज्यपाल रहे दिग्गज नेता कल्याण सिंह शनिवार को निधन हो गया. वह 89 साल के थे. कल्याण सिंह ने लखनऊ के पीजीआई अस्पताल में अंतिम सांस ली. कल्याण सिंह पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे, जिसके चलते उनको हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था. शनिवार सुबह से उनके ब्लड प्रेशर में गिरावट देखी जा रही थी. इसके साथ ही उनके शरीर के कई अंगों ने काम करना बंद कर दिया था. जिसके चलते उनका निधन हो गया. वह अपने पीछे एक भरा पूरा परिवार छोड़ कर गए हैं.

कल्याण सिंह के परिवार में बड़े बेटे सांसद राजवीर सिंह उर्फ राजू भैया, उनके चार बच्चे, बेटी प्रभा वार्मा समेत सभी सदस्य दुख में डूबे हैं. आपको बता दें उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में एक लोधी परिवार में जन्मे कल्याण सिंह के पिता का नाम तेजपाल सिंह लोधी और माता सीता देवी थीं.कल्याण सिंह का विवाह 1952 में रामवती देवी नाम की महीला से हुआ. कल्याण सिंह और रामवती से घर में दो बच्चे हुए. बेटा राजवीर और बेटी प्रभा.

कल्याण सिंह के बेटे राजवीर भी पिता के ही नक्शेकदम पर चले और भाजपा से अपना राजनीतिक करियर शुरू किया. राजवीर ने अपने पिता की राजनीतिक विरासत को खूब आगे बढ़ाया और भाजपा में विभिन्न जिम्मेदारियां संभाली. मौजूदा समय में राजवीर यूपी के ही एटा से सांसद हैं. गांव, समाज और अपने समर्थकों में राजीतर राजू भैया के नाम से मशहूर हैं. वहीं, राजवीर सिंह को भी चार बच्चे हैं, जिसमे दो बेटे और दो बेटियां हैं. राजवीर सिंह के बड़े बेटे ने भी अपने दादा की राजनीतिक विरासत को ही आगे बढ़ाया और यूपी की योगी सरकार में मंत्री बने.

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और राजस्थान के पूर्व राज्यपाल कल्याण सिंह का आज लम्बी बीमारी के बाद निधन हो गया. उनके निधन पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद, दिनेश शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव, अखिलेश यादव, मायावती ने दुख व्यक्त किया है. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ट्वीटर के माध्यम से लिखा कि कल्याण सिंह अनुभवी प्रशासक जमीनी स्तर के नेता और महान इंसान थे. उत्तर प्रदेश के विकास में उनका अमिट योगदान रहा है.